ग्रामीण अनाज बैंक योजना

खाद्य की कमी वाले क्षेत्रों एवं प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त ग्रामीण क्षेत्रों में 415 ग्रामीण अनाज बैंक स्थापित करने की भारत सरकार की योजना है । ग्रामीण अनाज बैंक में 40 क्वींटल खाद्यान्न सुरक्षित रखने की योजना है ।

योजना का उद्देश्य

ग्रामीण अनाज बैंक योजना का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदा के समय बी0पी0एल0/अन्त्योदय परिवार के लाभूकों को प्रति परिवार 1 (क्वींटल) खाद्यान्न (चावल) उधार के रूप में उपलब्ध कराना है ।

क्रियान्वयन

प्रत्येक बैंक के साथ 30-40 बी0पी0एल0/अन्त्योदय परिवार सम्बद्ध होंगे जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर अधिकतम एक क्वींटल अनाज उधार के रूप में दिया जा सकेगा ।

मूल्य, भंडारण एवं प्रशिक्षण, अनुश्रवण पर आने वाले व्यय की राशि का वहन भारत सरकार द्वारा पूर्ण रूप से किया जाता है । परिवहन इत्यादि पर 3600/- रूपये प्रति ग्रामीण अनाज बैंक खर्च अनुमानित है जिसका 50-50 प्रतिशत केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा ।

चिन्हित जिला

इसकी स्थापना हेतु राज्य के निम्न 13 जिलों को चिन्हित कर लक्षित किया गया है

क्रमांक	जिला का नाम	ग्रामीण अनाज बैंक की संख्या
1	मुजफ्फरपुर	45
2	सीतामढ़ी	45
3	शिवहर	16
4	पूर्वी चम्पारण	30
5	पश्चिम चम्पारण	30
6	दरभंगा	50
7	मधुबनी	50
8	समस्तीपुर	20
9	सहरसा	30
10	सुपौल	19
11	खगड़िया	25
12	कटिहार	35
13	भागलपुर	20
	कुल :-	**415**